ज्ञान (Knowledge)

सामान्य अर्थ में ज्ञान शब्द से तात्पर्य एक निश्चित जानकारी अथवा वह जो ज्ञात है, से है। ज्ञान वास्तव में ज्ञानेंद्रियों द्वारा प्राप्त बौद्धिक अनुभव है। ज्ञान प्राप्त करने के लिए विचार, चिंतन, मनन, मंथन, और अनुभव प्राप्त करने की पर्याप्त शक्ति होनी चाहिए, जो कि पृथ्वी पर केवल मनुष्य के पास है। परंतु किसी भी मनुष्य को संपूर्ण ज्ञान होना असंभव है क्योंकि ज्ञान सदैव गतिशील और संवर्धन रहता है। नवीन विचारों तथ्यों और सूचनाओं के आधार पर व्यवहारिक शोध का चक्र चलता रहता है। नवीन विषय क्षेत्र का उदय होता है, जो ज्ञान की सृष्टि करते हैं।

ज्ञान किसी भी विषय को पूर्ण रूप से समझना, उसका पूरा अनुभव करना तथा समय आने पर उसका उचित तरीके से प्रयोग करना है । ज्ञान एक विश्वास है जिसे सत्य के रूप में स्वीकार किया गया है। ज्ञान बहुमूल्य रत्नों से भी महँगी चीज़ मानी जाती है जिसको कोई भी चोर चुरा नहीं सकता।ज्ञान ही एक ऐसी चीज़ है जिसके लिए किसी व्यक्ति को चिंतित नहीं होना पड़ता कि इसे कोई चुरा लेगा क्यूंकि किसी व्यक्ति का ज्ञान चुराने के लिए खुद के पास ज्ञान चाहिए। ज्ञान हर

प्रकार से अर्जित किया जा सकता है चाहे वो सुनकर हो या देखकर, समझकर हो या अनुभवों से।

ज्ञान मतलब किसी भी चीज या वस्तु के बारे में सही व अच्छी जानकारी ही है।और ज्ञानी बनने के लिए जरूरी नहीं कि आप के पास कोई बड़ी - बड़ी उपाधियाँ हो या आप महंगे विद्यालयों में पढ़ें। ज्ञान किसी से भी , कहीं से भी प्राप्त हो सकता है चाहे सजीवों से प्राप्त हो या निर्जीवों से। किसी इंसान का सही ज्ञान ही उसे सफलता की राह तक लेकर जाता है।

कुछ विद्वान लोगों ने ज्ञान की परिभाषा दी है, उनके द्वारा दी हुई कुछ परिभाषाएं इस प्रकार हैं

रसैल के अनुसार: मस्तिष्क सच्ची अथवा झूठी धारणा निर्मित नहीं करता है मस्तिष्क बास मस्तिष्क विश्वास निर्मित करता है जब विश्वास से संबंधित तथ्य प्राप्त हो जाते हैं तब विश्वास सत्य में परिभाषित हो जाता है और यदि संबंधित तथ्य प्राप्त नहीं होते तो विश्वास गलत सिद्ध हो जाता है अतः यह कह सकते हैं कि ज्ञान सत्यता पर आधारित विश्वास है।

प्लूटो के अनुसार: ज्ञान चिर सत्य है सत्य की ओर मुख संबंधी उनकी इस अनिवार्य विशेषता से ही यह संभव हो पाता है कि उसके लिए सक्रिय बुद्धि इंद्रियां

अनुभव मूल अनुभूति और उसकी चेतना के संदर्भ में ज्ञान और अज्ञान सत्य और अनुमान में मध्य भेद कर सकते हैं।

जेएच शेरा के अनुसार: विज्ञान बौद्धिक पद्धति द्वारा निष्पादित प्रक्रिया का परिणाम है।

रंगनाथन के अनुसार: ज्ञान सभ्यता संरक्षित सूचना का समुद्र योग होता है।

वेबस्टर न्यू इंटरनेशनल डिक्शनरी ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज के अनुसार: ज्ञान वास्तविक अनुभव व्यवहारिक अनुभव कार्यकुशलता आदि के द्वारा प्राप्त जानकारी है।

000